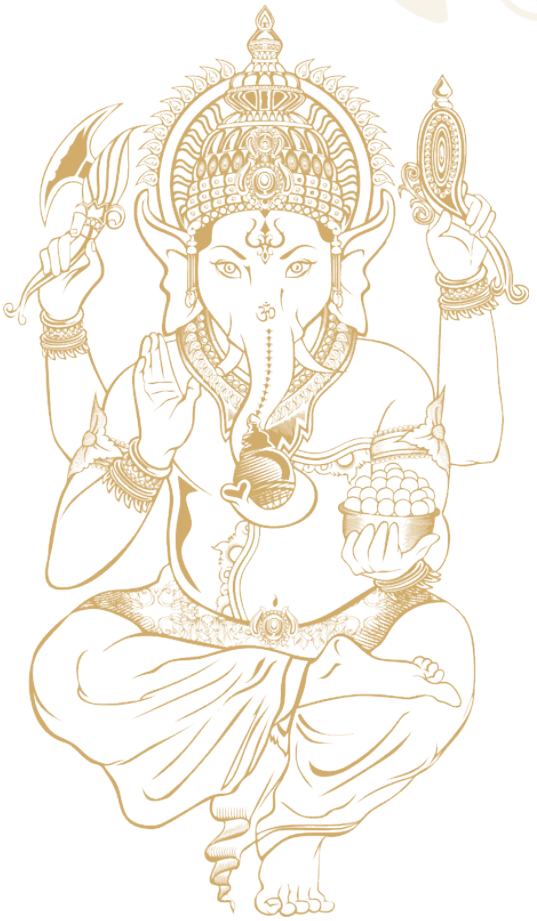

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121878508

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/12/2003	जन्म तिथि	01/07/2001
सोम-मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 00:20:00	जन्म समय	16:55:00 घंटे
घटी 44:40:41	जन्म समय(घटी)	29:31:09 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:43	सूर्योदय	05:06:32
17:02:57	सूर्यास्त	18:53:53
23:54:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 6वर्ष 8मा 16दि	23:40:21	सिंह	लग्न	वृश्चि	19:43:06	गुरु 6वर्ष 10मा 14दि
शनि	15:14:58	वृश्चि	सूर्य	मिथु	15:49:01	शनि
18/08/2010	27:44:25	कुंभ	चंद्र	तुला	27:36:18	16/05/2008
18/08/2029	27:49:21	कुंभ	मंगल व	वृश्चि	23:33:14	17/05/2027
शनि 21/08/2013	04:36:34	धनु	बुध	वृष	27:48:38	शनि 20/05/2011
बुध 30/04/2016	23:17:31	सिंह	गुरु	मिथु	03:31:58	बुध 27/01/2014
केतु 09/06/2017	11:58:19	धनु	शुक्र	वृष	01:34:41	केतु 08/03/2015
शुक्र 08/08/2020	18:07:39	मिथु व	शनि	वृष	15:07:43	शुक्र 07/05/2018
सूर्य 21/07/2021	26:26:09	मेष	राहु	मिथु	12:29:53	सूर्य 19/04/2019
चन्द्र 20/02/2023	26:26:09	तुला	केतु	धनु	12:29:53	चन्द्र 18/11/2020
मंगल 30/03/2024	05:13:03	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	00:32:49	मंगल 27/12/2021
राहु 04/02/2027	16:55:57	मक	नेप व	मक	14:15:16	राहु 02/11/2024
गुरु 18/08/2029	25:27:11	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:21:14	गुरु 17/05/2027

लग्न-चलित

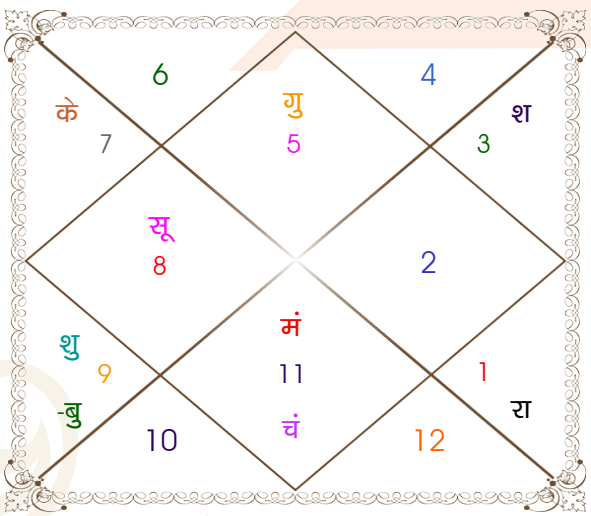

लग्न-चलित

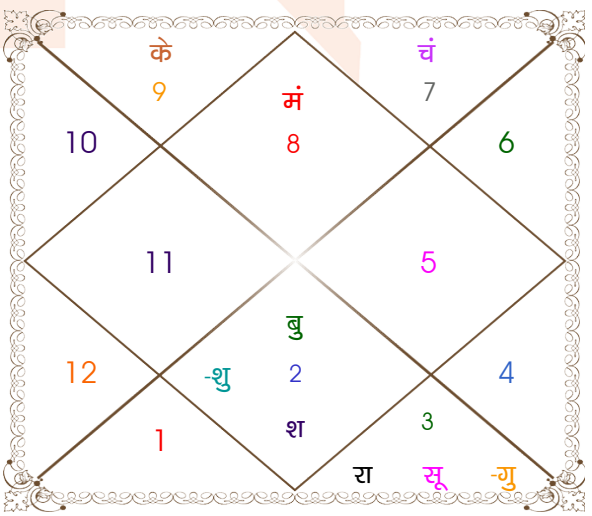

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।